ऑपरेशन मिलाप

दिसम्बर, 2014 में आरम्भ ऑपरेशन मिलाप योजना में बच्चों को मानव तस्करी अथवा अपहरण से बचाया जाता है। बचाने का यह काम दिल्ली पुलिस की मानव तस्करी विरोधी इकाई (AHTU) किया करती है।

बचाए हुए बच्चों को मंत्रणा देने के अतिरिक्त उनके स्वास्थ्य पर आवश्यक ध्यान भी दिया जाता है।

ऑपरेशन थर्स्ट

रेलवे सुरक्षा बल(RPF) ने हाल ही में ऑपरेशन थर्स्ट लांच किया, इसका उद्देश्य अनाधिकृत रूप से पैकेज्ड पेयजल के बिक्री पर रोक लगाना है। इस ऑपरेशन को 8 और 9 जुलाई को चलाया गया, इस दौरान दोषियों पर जुर्माना लगाया गया तथा कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया।

रेलवे सुरक्षा बल(RPF) ने दिल्ली से इस ऑपरेशन को शुरू किया था। इस ऑपरेशन के तहत 1371 लोगों को गिरफ्तार किया गया तथा 69,294 पानी की बोतलों को RPF द्वारा ज़ब्त किया गया। इस ऑपरेशन के दौरान दोषियों से 6,80,855 रुपये का जुर्माना भी वसूला गया।

MPPSC UPSC
MPSI IAS IPS
Online Test Series
www.kautilyaacademy.in
CONTACT - +91 9111010991, 9425068121, 8718990943
Payal Plaza, Bhawarkuan Rd, Opp Bhawarkuan Police Station, Professor's Colony, Vishnu Puri Colony, Indore, Madhya Pradesh 452001

कलराज मिश्रा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल नियुक्त

कलराज मिश्रा को आचार्य देवव्रत की जगह हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया था। आचार्य देवव्रत 12 अगस्त 2015 से हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का पद संभाल रहे थे। उत्तरप्रदेश के दिग्गज नेता कलराज मिश्रा को राज्यपाल बनाने की चर्चा काफी समय से चल रही थी। इसके साथ ही आचार्य देवव्रत को गुजरात का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया।

अगले तीन महीनों में गुजरात, नागालैंड, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, गोवा, राजस्थान, और केरल में राज्यपालों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। राज्यपाल का पद भारत के संघीय ढांचे में संवैधानिक होता है। संविधान के भाग 6 में राज्य की शासन व्यवस्था का प्रावधान है।

कलराज मिश्रा का जन्म 1 जुलाई 1941 को गाजीपुर के मलिकपुर गाँव में हुआ था। कलराज मिश्रा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता है।

Online Test Series
www.kautilyaacademy.in
CONTACT - +91 9111010991, 9425068121, 8718990943
Payal Plaza, Bhawarkuan Rd, Opp Bhawarkuan Police Station,
Professor's Colony, Vishnu Puri Colony, Indore, Madhya Pradesh 452001

दलाई लामा का उत्तराधिकारी

हाल ही में चीन ने भारत से तिब्बती गुरू दलाई लामा के उत्तराधिकारी को मान्यता नहीं देने का आग्रह किया।

- चीन के वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों के अनुसार, दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चीन की सरकार की मान्यता मिलनी चाहिये और दलाई लामा का चयन देश के भीतर 200 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक प्रक्रिया के तहत ही होनी चाहिए।
- उत्तराधिकार के मुद्दे पर भारत के किसी भी प्रकार के दखल का प्रत्यक्ष प्रभाव दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ सकता है।
- दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चुनाव एक ऐतिहासिक, धार्मिक एवं राजनीतिक मुद्दा है।
- अतः इसके उत्तराधिकार पर निर्णय उनकी निजी इच्छा अथवा दूसरे देशों में रहने वाले लोगों के गुट द्वारा नहीं लिया जाता है।

दलाई लामा के बारे में-

- दलाई लामा तिब्बती बौद्ध धर्म के सबसे नए विद्यालयों में से एक गेलुग या 'येलो हैट' तिब्बती बौद्ध धर्म स्कूल के अग्रणी आध्यात्मिक नेता को तिब्बती लोगों द्वारा दी गई एक उपाधि है।
- 14 वें तथा वर्तमान दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो हैं।
- दलाई लामाओं को अवलोकितेश्वर या चेनरेज़िग, कम्पासियन के बोधिसत्व और तिब्बत के संरक्षक संत की अभिव्यक्ति माना जाता है।
- बोधिसत्व भी संवेदनशील प्राणियों के लाभ के लिये बुद्धत्व प्राप्त करने की इच्छा से प्रेरित हैं, जिन्होंने मानवता की मदद के लिये दुनिया में पुनर्जन्म लेने की कसम खाई है।

Online Test Series
www.kautilyaacademy.in
CONTACT - +91 9111010991, 9425068121, 8718990943
Payal Plaza, Bhawarkuan Rd, Opp Bhawarkuan Police Station,
Professor's Colony, Vishnu Puri Colony, Indore, Madhya Pradesh 452001

लॉगरहेड कछुए

चर्चा में रहने का कारण- हाल ही में एक अध्ययन के अनुसार, केप वर्डे के एक प्रमुख प्रजनन क्षेत्र में पैदा होने वाले लॉगरहेड कछुओं की नई पीढ़ी जलवायु परिवर्तन के कारण संभवतः मादा ही होगी।

- केप वर्डे मध्य अटलांटिक महासागर में स्थित एक द्वीप द्वीपीय देश है।
- कछुओं के लिंग का निर्धारण इन्क्यूबेशन के तापमान के आधार पर किया जाता है और गर्म तापमान मादा कछुओं के अनुकूल होता है। यदि उच्च कार्बन उत्सर्जन जारी रहता है तो 90% से अधिक नर कछुओं पर इसका घातक प्रभाव पड़ सकता है।
- वर्तमान उत्सर्जन परिदृश्य के तहत वर्ष 2100 तक लगभग 99.86% कछुओं के बच्चे मादा होंगे। वर्तमान में केप वर्डे में 84% बच्चे मादा है।
- केप वर्डे लॉगरहेड कछुओं का तीसरा सबसे बड़ा केंद्र है।
- द इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर ने लॉगरहेड कछुओं को अतिसंवेदनशील श्रेणी में रखा है।
- लॉगरहेड समुद्री कछुओं को उनके बड़े सिर के कारण यह नाम दिया गया है।
- लॉगरहेड कछुए भूमध्यसागर में सबसे ज़्यादा पाए जाते हैं, इनके घोंसले ग्रीस और तुर्की से लेकर इज़राइल एवं लीबिया के समुद्र तटों पर पाए जाते हैं।
- समुद्री कछुए न केवल सरीसृपों के एक समूह के प्रतिनिधि हैं, बल्कि समुद्री पारिस्थितिक तंत्रों में एक मूल कड़ी के रूप में भी उपस्थित हैं।
- यह प्रवाल भित्तियों और समुद्री शैवाल को संरक्षित रखने में भी मदद करते हैं।

By- Pankaj Bodiya

Online Test Series
www.kautilyaacademy.in
CONTACT - +91 9111010991, 9425068121, 8718990943
Payal Plaza, Bhawarkuan Rd, Opp Bhawarkuan Police Station, Professor's Colony, Vishnu Puri Colony, Indore, Madhya Pradesh 452001